Hindustan/ Lucknow/ December 21, 2012

थोड़े से प्रयास से आप भी बना सकते हैं अपने घर को ग्रीन, शुरू में आएगा थोड़ा खर्च लेकिन बाद में अच्छी बचत होगी

बिजली-पानी का खर्च बचाने के साथ घर में पा सकते हैं प्राकृतिक हवा

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

थोड़ा प्रयास कर आप भी अपने घर को 'ग्रीन भवन' बना सकते हैं। इसे बनाने में बहुत ज्यादा खर्च भी नहीं आएगा। शुरुआती दौर में कुछ आएगा भी तो आगे चलकर इससे बचत भी अच्छी होगी। सेन्टर फार साइंस एण्ड इन्वायरमेंट (सीएसई) नई दिल्ली और एलडीए की ओर से गुरुवार को ग्रीन बिल्डिंग निर्माण के बारे में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों में इसको लेकर काफी चर्चा हुई। कार्यशाला में जाने-माने आर्किटेक्ट के अलावा सरकारी महकमों के जिम्मेदार अधिकारी भी मौजूद थे।

एलडीए एवं सीएसई की ओर से हरित भवनों के लिए कार्यसूची पर गुरुवार को हजरतगंज स्थित होटल आरिफ कैसल में कार्यशाला आयोजित की गई ● हिन्दुस्तान

लाएं बदलाव

सीएसई की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉय चौधरी ने कहा कि आज शहरों में ऊर्जा की खपत कम करना बड़ी चुनौती है। ब्रिटेन अपने यहां 60 प्रतिशत ऊर्जा की खपत कम करने पर काम कर रहा है। हमें भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि शहरों का विस्तार बहुत तेजी से हो रहा है। 2030 में देश में जितनी इमारतें होंगी उसका अभी केवल 30 प्रतिशत ही बन पाई हैं। अभी तक हमने ग्रीन बिल्डिंग नहीं बनाई लेकिन आगे सोच विचार कर भवन बनाने होंगे। आने वाले समय में जो बिल्डिंग बनेंगी उनमें से 95 प्रतिशत शहर के बाहर बनेंगी। इससे बिल्डरों के लिए नए नियम कानून बनाने होंगे। दिल्ली के आर्किटेक्ट दीपेन्द्र प्रसाद, अनुपम मित्तल, ग्रीन ट्री बिल्डिंग एनर्जी कन्सलटेंट दिल्ली के वामशी रंगा, गौतमबुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर रितु गुलाटी, सीपीडब्ल्यूडी के एडीजी आरके गोविल तथा उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के मुख्य अभियन्ता एसपी श्रीवास्तव ने ग्रीन बिल्डिंग के निर्माण पर जोर दिया।

एनर्जी ऑडिट से कम हुई सीएम कार्यालय में खपत

एनर्जी आडिट कर पावर कारपोरेशन ने मुख्यमंत्री सचिवालय (एनेक्सी) में बिजली की खपत कम कर दी है। प्रतिमाह साढ़े सात लाख रुपए कम की बिजली लग रही है। बापू भवन व शक्ति भवन में भी लगभग ढाई-ढाई लाख रुपए की बिजली की बचत हुई है। शहर की 20 अन्य बिल्डिंग का भी पावर कारपोरेशन ने एनर्जी आडिट कराया है। इनमें कुछ सुधार करने के बाद बिजली की बचत होने लगेगी। पावर कारपोरेशन से कोई भी व्यक्ति एनर्जी आडिट करा कर बिल्डिंग व कुछ उपकरण बदलकर बिजली की बचत कर सकता है। सेन्टर फार साइंस एण्ड इन्वायरमेंट (सीएसई) की ओर से आयोजित कार्यशाला में गुरुवार को पावर कारपोरेशन के मुख्य अभियन्ता एसपी श्रीवास्तव ने कहा एनर्जी आडिट के बाद इन बिल्डिंगों में कुछ सुधार किया गया। बिजली के उपकरण बदले गए। एसी प्लाण्ट में भी कुछ परिवर्तन किया गया। स्टार रेटिंग वाले उपकरण लगाए गए।

गर्मी को ध्यान में रखकर बनाएं घर

अगर आप अपना घर बनाने जा रहे हैं तो गर्मी को ध्यान में रखकर घर बनाने की प्लानिंग करें। आर्किटेक्ट अनुमान मित्तल कहते हैं कि देश में 10 महीने गर्मी होती है। इन्हीं 10 महीनों में सबसे ज्यादा बिजली खर्च होती है। ऐसे में प्लानिंग गर्मी को ध्यान में रखकर ही करें।

ऐसे बना सकते हैं घर को ग्रीन हाउस

ग्रीन हाउस बनाने का काम नक्शे से ही शुरू हो जाता है। बिल्डिंग बाईलाज व एलडीए के मानक के हिसाब से सामने व साइड में सेट बैक जरुर छोड़ें। इससे आप के घर में रोशनी व हवा के आने-जाने की जगह रहेगी।

बल्ब की जगह सीएफएल लगाए। एलईडी लाइट भी अब आसानी से मिल रही है। शुरुआत में यह मंहगी जरूर पड़ेगी लेकिन बाद में इससे आपका बिजली का खर्च बहुत कम हो जाएगा।

सामने के सेटबैक व साइड सेटबैक की जमीन आपकी अपनी ही रहती है यह दिमाग में निकाल दें कि इसके छोड़ने से आपका घर छोटा हो जाएगा। कमरे कम होने की स्थिति में आप ऊपर निर्माण करा सकते हैं।

घर की डिजाइन इस तरह कराएं ताकि हर कमरे में रोशनी रहे। कभी भी घर की दीवारें सील्ड नहीं होनी चाहिए। खिड़की दरवाजे जरूरत के लिए हिसाब से लगवाएं। ताकि दिन में बिजली जलाने की जरूरत न पड़े।

खिड़की दरवाजों का ग्रीन बिल्डिंग में बहुत रोल होता है। खिड़की हमेशा उत्तर व दक्षिण तरफ लगवाएं। उत्तर की तरफ सूर्य की रोशनी नहीं पड़ती है और दक्षिण में सूरज झुककर जाता है। उत्तर व दक्षिण में खिड़की होने पर घर में रोशनी आएगी लेकिन धूप नहीं आएगी।

बारिश के पानी को बर्बाद होने से बचाने के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग का इंतजाम कराएं।

सोलर सिस्टम लगाकर ऊर्जा की कमी को पूरा कर सकते हैं।

घर में इस्तेमाल हो रहे पानी को बचाने के वॉटर लेस यूरिनल लगवाएं।

टायलेट के फ्लश से सबसे ज्यादा पानी बर्बाद होता है। अब नए तरीके के फ्लश आ गए हैं। इनका इस्तेमाल करें। इनमें तीन व छह लीटर पानी का विकल्प होता है। शौच के लिए छह लीटर पानी वाली बटन दबाएं और बाथरूम के लिए तीन लीटर। इससे पानी की बर्बादी कम होगी।